

## अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट

### चर्चा में क्यों?

हरियाणा सरकार ने राज्य के सात जिलों में पहाड़ियों के नमिनकृत क्षेत्रों को पुनर्जीवित करने हेतु [अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट](#) के लिये अपने प्रस्ताव को अंतिम रूप दे दिया है ताकि पर्वत शृंखला के साथ नरितर पारस्थितिकि अवरोध उत्पन्न कया जा सके ।

### मुख्य बदि:

- यह परयोजना केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की ग्रीन वॉल परयोजना का हसिसा है ।
  - पहले चरण में गुडगाँव, फरीदाबाद नूंह,, रेवाड़ी, महेंद्रगढ, चरखी दादरी और भविानी की अरावली में 66 जल नकिया वकिसति कयि जाएंगे ।
- यह परयोजना अफ्रीका की 'ग्रेट ग्रीन वॉल' परयोजना से प्रेरति है और इसका उद्देश्य उन पहाड़ियों पर हरति आवरण को बहाल करना है जोधार से दल्लि-एनसीआर सहति उत्तर भारत तक रेगसितान जैसी स्थतियों के वसितार को रोकने वाली एकमात्र बाधा है ।
  - लक्ष्य वर्ष 2027 तक चार राज्यों हरयाणा, राजस्थान, गुजरात और दल्लि में लगभग 1.15 मलियन हेक्टेयर वनों को बहाल करना है ।
- भारतीय अंतरकष अनुसंधान संगठन की वर्ष 2022 की एक रपिर्ट में पाया गया क हिरयाणा के कुल कषेतरफल का लगभग 8.2% पछिले कुछ वर्षों में और अधकि शुषक हो गया है ।
- परयोजना का ज़ोर मृदा संरक्षण, अपरदन नयित्रण तथा बेहतर जल प्रतधिरण तंत्र पर है जो जल चक्र को स्थरि करने, मृदा कषरण को कम करने और सूखे एवं बाढ़ के हानकारक प्रभावों के खल्लिफ मज़बूती प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण योगदान देता है ।
- पारस्थितिकिवर्दों और वन्यजीव वशेषज्जों के अनुसार, अरावली में ऐसे कई कषेतर हैं जनिहें जंगल के रूप में अधसूचति नहीं कयि गया है, लेकनि वे अभी भी पौधों तथा वन्यजीवों की समृद्ध जैवविधिता का नविस स्थान हैं । इन हरे-भरे स्थानों के संरक्षण के लयि योजनाएँ बनाने की अवश्यकता है ।

//



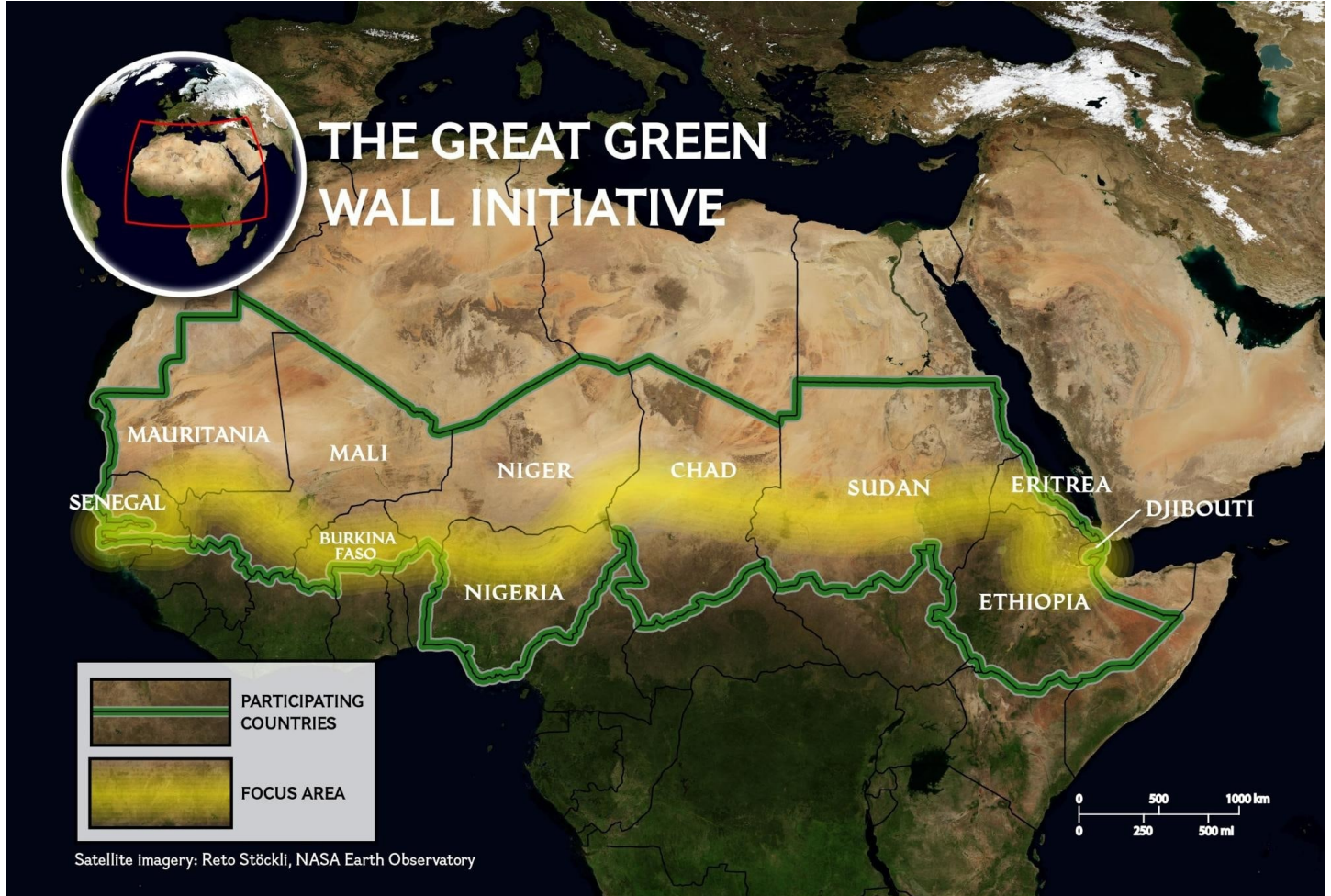
➤ Forest belt likely to run roughly from **Porbandar to Panipat**, covering entire Aravali range and beyond

➤ 'Green wall' will act as barrier for dust from west and check eastward march of Thar desert

➤ It will check desertification by **restoring degraded land through massive afforestation**

### अफ्रीका की ग्रेट ग्रीन वॉल (GGW)

- इसका उद्देश्य **अफ्रीका की नमिनीकृत भूमिका** पुनर्रिमाण करना तथा विश्व के सर्वाधिक गरीब क्षेत्र, साहेल (Sahel) में नविस करने वाले लोगों के जीवनस्तर में सुधार लाना है।
- अफ्रीकी पहल अभी भी **केवल 15% ही पूरी हुई है।**
- योजना के पूर्ण हो जाने पर **यह वॉल पृथ्वी पर सबसे बड़ी जीवति संरचना होगी** - महाद्वीप की पूरी चौड़ाई में फैला हुआ विश्व का **8,000 कमी** लंबा प्राकृतिक आश्चर्य।
- संयुक्त **राष्ट्र मनुस्थलीकरण रोकथाम कन्वेंशन, कांफ्रेंस ऑफ़ पार्टिज़- 14 (UN Convention to Combat Desertification- UNCCD, COP14)** के दौरान अफ्रीकी देशों ने वर्ष 2030 तक महाद्वीप के साहेल क्षेत्र में योजना को लागू करने हेतु वित्त के संदर्भ में वैश्विक समर्थन की मांग की थी।
  - **साहेल** पश्चिमी और उत्तर-मध्य अफ्रीका का एक **अर्ध-शुष्क क्षेत्र (Semiarid Region)** है जो पूर्व सेनेगल (Senegal) से सूडान (Sudan) तक फैला हुआ है।
  - यह उत्तर में शुष्क सहाराई रेगिस्तान तथा दक्षिण में आर्द्र सवाना के बीच एक संक्रमणकालीन क्षेत्र का नरिमाण करता है।



## अरावली पर्वत शृंखला

- अरावली, पृथ्वी पर सबसे पुराना चलति पर्वत है।
- यह गुजरात से **दिल्ली (राजस्थान और हरियाणा के माध्यम से) तक 800 कमी.** से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है।
- अरावली शृंखला की सबसे ऊँची चोटी माउंट आबू पर गुरु पीक है।
- **जलवायु पर प्रभाव:**
  - अरावली का उत्तर-पश्चिमी भारत और उससे आगे की जलवायु पर प्रभाव है।
  - मानसून के दौरान पर्वत शृंखला धीरे-धीरे मानसूनी बादलों को शमिला और नैनीताल की तरफ पूर्व की ओर ले जाती है, इस प्रकार यह **प-हमालयी नदियों का पोषण करने तथा उत्तर भारतीय मैदानों को उर्वरता प्रदान करने में मदद करती है।**
  - सर्दियों के महीनों में यह उपजाऊ जलोढ़ नदी घाटियों (सधु और गंगा) को **मध्य एशिया से टंडी पश्चिमी हवाओं के हमले से बचाती है।**

